>

Title: Need to set up a new unit of Fertilizers Corporation of India Limited

in Gorakhpur, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की जो 5 इकाईयां बंद हैं उनमें से गोरखपुर में भी एक उर्वरक इकाई स्थित है। भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड ने सन् 1969 में गोरखपुर में उर्वरक संयंत्र की स्थापना की थी। एक साधारण दुर्घटना के चलते 10 जून, 1990 को इसे बंद कर दिया गया और तब से यह इकाई लगातार बंद चल रही है। इस उर्वरक संयंत्र के बंद होने से पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के विकास पर बुरा असर पड़ा है। कृषि प्रभावित होने से किसानों की स्थिति बदतर हुई है। देश के कई प्रधानमंत्रियों द्वारा गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनता को बंद पड़े इस उर्वरक संयंत्र को चलाने का आश्वासन अपने-अपने कार्यकाल के दौरान दिया गया था लेकिन यह आश्वासन मात्र घोषणाओं तक ही सीमित रह गया। देश के बंद पड़े इन उर्वरक संयंत्रों के पुनरूद्धार के लिए भारत सरकार ने उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय, पैट्रोलियम मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय के सचिवों की एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई थी। यह कमेटी पहले ही गोरखपुर समेत सभी बंद पड़े उर्वकर संयंत्रों के पुनरूद्धार की सिफारिश कर चुकी है। बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों के पुनरूद्धार की यह योजना बार्ड फॉर इन्डस्ट्रीयल एण्ड फाइनेन्सियल रिकन्सट्रक्शन (बी.आई.एफ.आर.) के पास भेजा गया था। मेरे संज्ञान में आया है कि बी.आई.एफ.आर. ने भी इस संबंध में अपनी सहमति प्रदान कर दी है।

गोरखपुर स्थित बंद पड़े उर्वरक संयंत्र के पास महानगर से सटी 1400 एकड़ भूमि है। जो रेलवे लाईन और सड़क मार्ग के साथ-साथ अन्य बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह जुड़ी हुई है। भारत सरकार यदि गैस पाईप लाईन की सुविधा जगदीशपुर तथा बरौनी से यहां उपलब्ध करा देती है तो उर्वरक संयंत्र यहां पर आसानी से संचालित हो सकता है। गैस एथोरिटी ऑफ इण्डिया (गेल) ने इस संबंध में सर्वे भी किया है।

कृपया गोरखपुर में बंद पड़े उर्वरक संयंत्र के स्थान पर भारतीय उर्वकर निगम लिमिटेड की ओर से ही एक नया उर्वरक संयंत्र स्थापित हो, इस संबंध में कार्यवाही करने का कष्ट करें।